# वन्दे वासुदेवम्

रागम्: श्री  ताळम्: खण्ड झम्प

(श्री अन्नमाचार्य विरचित)

## पल्लवि

वन्दे वासुदेवं श्रीपतिम्
बृन्दारकाधीश वन्दित पदाब्जम्

## चरणम्

इन्दीवरश्यामं इन्दिराकुचतटी

चन्दनाङ्कित लसं चारुदेहम्

मन्दार मालिका मकुट संशोभितम्
कन्दर्पजनकं अरविन्दनाभम् ॥ १ ॥

करिपुरनाथं संरक्षणे तत्परम्

करिराजवरदं संगत कराब्जम्

सरसीरुहाननं चक्र विभ्राजितम्
तिरुवेङ्कटाचलं देवं भजेऽहम् ॥ २ ॥

◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇